

11/06
25

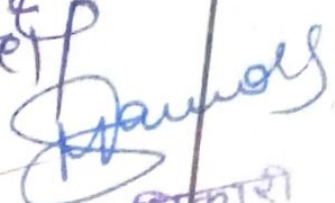
पत्रावली वास्ते आउटेरा आज पेराडुई वकील
उमयपडु उपस्थित। हॉराने बधु वकील
प्रतिवादी सं. 1 सा 6 की और से निवेदन
किया कि प्रतिवादी सं. 4 की अपने दिशेदारी
से जानकारी हुई कि वाडीया जजब की
मृत्यु दिनांक 01.11.2017 की है चुकी है।
जिसकी जानकारी वकील वाडीया की

को भी मनी जाती है। विधि के आभावक
अवधानों के अनुसार वाडपत्र के पत्रगत
की मृत्यु होने की कक्षा में 90 दिन के
अन्दर मृतक पत्रगार की विधि कारिगान
के पत्रवली में रिपोर्ट पर बगैर कथम
मुकाम लिया जाना आवश्यक होगा,
परन्तु रस्तगत वाडपत्र में मृतक वाडीया
जगव की मृत्यु दिनांक 01.11.2017 के
लेकर आज तक वाडीया के विधि
कारिगान की तरफ से कोई आवेदन
बाबत बनाये जाने कापम मुकाम
वाडीया न्यायालय राजा में पेश नहीं
हुआ है तथा उनके विधि निर्धारित
समय सीमा के बाद भी वाडपत्र की
प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिये
न्यायालय राजा में उपस्थित नहीं आये
हैं तथा अधिवक्ता द्वारा मृतक पत्रगार
की पैरवी करने का कोई आवधान नहीं
है इसलिए वाडीया का वाड विधि
वर्जित होने से आगे चलने योग्य नहीं
है अतः वाडीया का वाड अर्बेट कर
खाति किया जावे।
वकील वाडीया की ओर से जवाब
बाबत अर्बेट आवेदन दिनांक 04/01/2024

को पेश किया जिसमें उल्लेख किया
कि वाजिया के मुख्यालय उसके पुत्र
मौजूद असलम को अनभिज्ञता की वजह
से गायम मु. आवेदन दिनांक 20/01/2019
को पेश किया।

मैंने धुनी गयी वदस व विधिक
प्रावधानों पर मनन किया। पत्रावली
में उपलब्ध दस्तावेजों का अवलोकन
किया जिससे स्पष्ट है कि प्रतिवादी
संख्या 1/206 की ओर से मूल दावा
का जवाब दावा जरिये अधिवक्ता दिनांक
20/01/2015 को पेश किया तब ही
वाजिया ने अपने जीवनकाल में कोई
कार्यवाही नहीं की। तत्पश्चात दिनांक
01.11.2017 को वाजिया फॉत हैं
गई। लेकिन उसके कारिरान की ओर
से निर्धारित समयसीमा में गायम मु.
आवेदन पेश नहीं किया गया। प्रतिवादी
की ओर से अबत आवेदन पेश होने
के पश्चात दिनांक 20/01/2019 को का. मु.
आवेदन पेश किया गया जबकि गायम
मु. आवेदन विधि के प्रावधानों के
अनुसार मृतक पदाग्रह की मृत्यु के

दशा में 30 दिनों में पेश करना अनिवार्य
होगा। अतः इसके दृष्टि में वकील
वादीया द्वारा बिना किसी अधिकार के
आदिनांक तक प्रतिवादीगण जो कि रिपोर्ट
खानेदार हैं का विज्ञापन कारनामा है जो
स्थान के पहले उनके विधिक अधिकारों
का भी ध्यान किया गया है। अतः इसी
कारण पर अबैत आवेदन स्वीकार किया
जाकर वादीया का वाद खारिज किया
जाता है। पत्रावली फॉल्लो शुमार होकर
नम्बर के कम होकर दायिम दफ्तर है।


उपस्थित अधिकारी
दौतारामगढ़ (सीकर)